दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 21-01-2026

जापान दौरे से लौटे वीसी ने साझा किए अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बड़े आयाम

'संयुक्त शोध, छात्र-फैकल्टी एक्सचेंज, एआई व ग्रीन एनर्जी में खुलेंगे नए अवसर'

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू के परिसर में वीसी प्रो. रामपाल सैनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। वीसी ने अपने हालिया जापान दौरे के अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह दौरा विश्वविद्यालय के लिए अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग की दिशा में एक ऐतिहासिक और निर्णायक कदम साबित हुआ है। उन्होंने बताया कि इंडिया-जापान हायर एजुकेशन मिशन तथा इंडिया-जापान यूनिवर्सिटी लीडर्स समिट-2026 के अंतर्गत 12 से 17 जनवरी 2026 तक टोक्यो में आयोजित कार्यक्रमों में उन्होंने भाग लिया। इस दौरान जापान के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों ने सीआरएसयू के साथ शैक्षणिक, शोध एवं कौशल विकास के क्षेत्र में औपचारिक सहयोग की पेशकश की है।

सीआरएसयू वीसी प्रो. रामपाल सैनी प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए।

यह साझेदारी विवि को वैश्विक पहचान दिलाएगी

वीसी ने बताया कि इस साझेदारी के अंतर्गत संयुक्त शोध परियोजनाएं, फैकल्टी व छात्र आदान-प्रदान, सेमीकंडक्टर, मटेरियल साइंस, क्लीन व ग्रीन फ्यूल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप संस्कृति, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर तथा रोजगार व स्किल विकास जैसे क्षेत्रों में मिलकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने भारत की राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक एवं कौंसल जनरल चंद्रु अप्पार के सहयोग के लिए धन्यवाद किया। वीसी ने विश्वास जताया कि यह अंतरराष्ट्रीय साझेदारी सीआरएसयू को वैश्विक पहचान दिलाने के साथ-साथ हरियाणा के युवाओं को विश्वस्तरीय शिक्षा, शोध और रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगी।

शैक्षणिक सहयोग, संयुक्त शोध के लिए हुए एमओयू

उन्होंने बताया कि टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में भारत के राजदूत से शिष्टाचार भेंट के साथ सीआरएसयू की वैश्विक शैक्षणिक एवं शोध यात्रा का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर भारत–जापान शैक्षणिक सहयोग, संयुक्त शोध, अकादमिक मोबिलिटी तथा विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। जापान प्रवास के दौरान सीआरएसयू को क्योटो विश्वविद्यालय, ओसाका मेट्रोपॉलिटन विश्वविद्यालय, कंसाई विश्वविद्यालय, टोक्यो विश्वविद्यालय सोफिया यूनिवर्सिटी तथा जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन से एमओयूस एवं सहयोग प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन बैठकों में जापान के हायर एजुकेशन ब्यूरो के निदेशक एसएटीओ कुनिकी तथा मेक्सट के वरिष्ठ अधिकारी हुमाया अकिगो भी शामिल रहे। जापानी पक्ष ने सीआरएसयू के एईपी-2020 आधारित शैक्षणिक मॉडल, शोध-केन्द्रित दृष्टिकोण और डिजिटल अवसंरचना की सराहना की।

अमर उजाला

Date-21.01.2026

सीआरएसयू के लिए जापान का दौरा दूरगामी परिणाम वाला रहा : कुलपति

इंडिया-जापान यूनिवर्सिटी लीडर्स समिट 12 से 17 जनवरी तक टोक्यो में हुआ

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में कुलपति के जापान दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक समझौतों, विश्वविद्यालय की भविष्य की दिशा व आगामी युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को लेकर पत्रकार वार्ता हुई।

कुलपति प्रो. सैनी ने बताया कि इंडिया–जापान हायर एजुकेशन मिशन एवं इंडिया–जापान यूनिवर्सिटी लीडर्स समिट–2026 के तहत 12 से 17 जनवरी तक टोक्यो में हुआ। यह दौरा सीआरएसयू के लिए ऐतिहासिक और दूरगामी परिणाम देने वाला रहा है।

जापान के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों ने सीआरएसयू के साथ शैक्षणिक, शोध और तकनीकी सहयोग के लिए औपचारिक प्रस्ताव दिए हैं। उन्होंने बताया कि टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में भारत के माननीय राजदूत से शिष्टाचार भेंट के साथ सीआरएसयू की वैश्विक शैक्षणिक यात्रा का औपचारिक शुभारंभ हुआ।

इस दौरान भारत–जापान शैक्षणिक सहयोग, संयुक्त शोध, विद्यार्थियों की अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता और भविष्य के रोजगार अवसरों पर सार्थक चर्चा हुई। जापान दौरे के दौरान क्योटो विश्वविद्यालय, ओसाका मेट्रोपॉलिटन विश्वविद्यालय, कंसाई विश्वविद्यालय, टोक्यो विश्वविद्यालय, सोफिया विश्वविद्यालय और जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से सीआरएसयू को समझौता ज्ञापन और सहयोग प्रस्ताव प्राप्त हुए।

साथ ही जापान के उच्च शिक्षा ब्यूरो के निदेशक साटो कुनीयाकी व शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी हमाया अकीगो के साथ भी महत्वपूर्ण बैठकें हुईं।

कुलपति ने बताया कि जापानी पक्ष सीआरएसयू के राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 पर आधारित शैक्षणिक मॉडल, शोध-केंद्रित दृष्टिकोण, डिजिटल अवसंरचना और नवाचार से प्रभावित हुआ है।

इन समझौतों के तहत संयुक्त शोध परियोजनाएं, फैकल्टी और छात्र आदान-प्रदान, सेमीकंडक्टर, मटेरियल साइंस, ऊर्जा क्षेत्र, स्वच्छ एवं हरित ईंधन, पर्यावरण संरक्षण, स्टार्टअप संस्कृति, इन्क्यूबेशन सेंटर, डिजिटल सेंट्रल लाइब्रेरी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर जैसे क्षेत्रों में मिलकर कार्य किया जाएगा।

सीआरएसयू में समझौतों को लेकर जानकारी देते कुलपति डॉ. रामपाल सैनी। संवाद

भविष्य की नींव को मजबूत करेगी साझेदारी

जापान के साथ यह साझेदारी सीआरएसयू की भविष्य की नींव को मजबूत करेगी। इससे विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी। विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शिक्षा, शोध, इंटर्नशिप और रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। हरियाणा के युवा वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकेंगे। यह पहल सीआरएसयू को एक वैश्विक विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम है।

महोत्सव प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच बनेगा : 21 से 23 जनवरी तक आयोजित होने वाले इंटरनल जोनल यूथ फेस्टिवल की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि युवा व सांस्कृतिक निदेशालय की ओर से आयोजित यह महोत्सव विद्यार्थियों की रचनात्मक, सांस्कृतिक और कलात्मक प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच बनेगा। नाट्य, संगीत, नृत्य, साहित्य और ललित कलाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और टीम भावना का विकास होगा।

दैनिक जागरण

Date-21.01.2026

जापान से साझेदारी हमें वैश्विक पहचान देगी : वीसी

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) के वीसी प्रोफेसर रामपाल सैनी ने कहा कि सीआरएसयू जापान के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ शैक्षणिक, शोध एवं कौशल-विकास के क्षेत्र में अपनी अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को सुदृढ़ करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रहा है।

एक सप्ताह के जापान दौरे से लौटे वीसी ने मंगलवार को प्रेस कान्फ्रेंस करते हुए बताया कि भारत-जापान उच्चतर शिक्षा मिशन और इंडिया- जापान विश्वविद्यालय लीडर्स समिट 2026 (12-17 जनवरी, टोक्यो) के अंतर्गत किया गया यह दौरा सफल रहा।

कई जापानी संस्थानों ने सीआरएसयू के साथ साझेदारी की औपचारिक पेशकश की है। टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में राजदूत से शिष्टाचार भेंट के साथ सीआरएसयू की वैश्विक शैक्षणिक एवं शोध यात्रा का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर भारत-जापान शैक्षणिक सहयोग, संयुक्त शोध, अकादमिक मोबिलिटी और विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। सीआरएसयू को जापान की छह प्रमुख शैक्षणिक एवं संस्थागत इकाइयों से शैक्षणिक, शोध एवं तकनीकी सहयोग के लिए औपचारिक प्रस्ताव प्राप्त हुए। जिनमें क्योटो विश्वविद्यालय, ओसाका मेट्रोपालिटन विश्वविद्यालय, कंसाई विश्वविद्यालय, टोक्यो विश्वविद्यालय, सोफिया यूनिवर्सिटी, जापान एक्सटर्नल ट्रेड आर्गेनाइजेशन शामिल रहे। इन बैठकों में जापान के उच्च शिक्षा ब्यूरो के निदेशक सातो कुनियाकी और शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईएक्सटी)) के वरिष्ठ अधिकारी हमाया एकिगो के साथ भी महत्वपूर्ण संवाद हुआ।

सीआरएसयू में प्रेस कान्फ्रेंस करते हुए वीसी प्रोफेसर रामपाल सैनी। • जागरण

अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के अंतर्गत इन क्षेत्रों में संयुक्त कार्य किया जाएगा

- संयुक्त शोध परियोजनाएं एवं संयुक्त प्रयोगशालाएं
- फैकल्टी एवं छात्र आदान-प्रदान
- सेमीकंडक्टर, मटेरियल साइंस एवं एनर्जी सेक्टर
- क्लीन एवं ग्रीन फ्यूल, पर्यावरण संरक्षण
- इन्क्यूबेशन सेंटर, स्टार्टअप संस्कृति
- डिजिटल सेंट्रल लाइब्रेरी एवं स्मार्ट अकादमिक इंफ्रास्ट्रक्चर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ)
- युवाओं के लिए रोजगार व स्किल के बड़े अवसर
- टेक्नोलाजी ट्रांसफर ।